Bharat Temples

सिंदूरी हनुमान मेरे सिंदूरी हनुमान

जो सब के नाम बनाते हिया जो संकट सभी मिटाते है
और पवन के जैसी चाल है जिनकी जो अंजनी पुत्र कहलाते है,
भाभुक हो कर गले लगाए हिरदये स्वयम श्री राम
सिंदूरी हनुमान मेरे सिंदूरी हनुमान

मंगल वार को शनिवार को जो सिन्धुर चडाते है
पूजा करके बजरंग को मिष्ठान का भोग लगाते है,
केहने से पेहले ही पुरे होते सब काम
सिंदूरी हनुमान मेरे सिंदूरी हनुमान

मेरे बजरंग के आगे दुनिया का हर रंग फीका है
हनुमान जी को खुश करने का सरल तरीका है
इनको खुश करना हो तो बस बोलो जय श्री राम,
सिंदूरी हनुमान मेरे सिंदूरी हनुमान

हनुमान जी की तरफ जो भी दो कदम बडाते है,
उन सब भगतो के लिए हनुमान सो कदम बडाते है
करते है मालामाल उसे जो सेवा करे निष् काम
सिंदूरी हनुमान मेरे सिंदूरी हनुमान

Source:
https://www.bharattemples.com/sindhuri-hanuman-mere-sindhuri-hanuman/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw